HD–01

June – Examination 2022

B.A. (Part I) Examination

HINDI

हिन्दी पद्य भाग-I (प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य)

Paper : HD-01

Time : 1½ Hours] [*Maximum Marks : **70***

निर्देश :- यह प्रश्न-पत्र 'अ' और 'ब' दो खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड—अ **4×3½=14**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार, एक वाक्य, एक शब्द या अधिकतम **30** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 3½ अंक का है।

1. (i) पृथ्वीराज रासो के काव्य की कोई **दो** विशेषताएँ लिखिए।

   (ii) शब्द-शक्ति किसे कहते हैं ? शब्द-शक्ति के भेदों के नाम लिखिए।

(iii) दोहा छंद के लक्षण लिखिए।

(iv) उपमा अलंकार की उदाहरण सहित परिभाषा लिखिए।

(v) विभाग किसे कहते हैं ?

(vi) करुण रस के स्थायीभाव का क्या नाम है ? करुण रस की अनुभूति कब होती है ?

(vii) रामचरितमानस का काव्य रूप बताइए।

(viii) पद्मावत महाकाव्य की भाषा कौनसी है ? पद्मावत महाकाव्य के प्रमुख पात्रों का नामोल्लेख कीजिए।

खण्ड—ब **4×14=56**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **200** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 14 अंक का है।

2. निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

''मान सहित विष खाय के, संभु भए जगदीस।
बिना मान अमृत पिया, राहु कटायो सीस॥
जलहिं मिलाय रहीम ज्यों, कियो आपु सम छीर।
अँगवहि आपुहि आप लखि, सकल आँच कै भीर॥''

3. निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

''मोरपखा सिर कानन कुण्डल कुंतल सों छबि गडनि छाई।
बंक बिसाल रसाल विलोचन हैं दुखमोचन मोहन माई॥
आली नवीन महाधन सो तन पीट घटा ज्यौं पआ बनि आई।
हौं रसखानि जकी सी रही कछु टोना चलाई ठगौरी सी लाई॥''

4. रीतिकाल के प्रमुख कवियों की संक्षिप्त जानकारी देते हुए केशवदास का स्थान निर्धारित कीजिए।

5. ''बिहारी के काव्य में भवि, शृंगार और नीति की त्रिवेणी है।'' इस कथन की समीक्षा कीजिए।

6. तुलसीदास के काव्य की विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

7. मीरा की भक्तिभावना का उदाहरण सहित विवेचन कीजिए।

8. निम्नलिखित पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(i) रस का स्वरूप और उसके भेद

(ii) काव्य गुण और काव्य दोष

9. सूरदास के काव्य के भाव पक्ष और कला पक्ष का उद्घाटन कीजिए।